Dr. RANJEET KUMAR
Deptt. of History
H.D. Jain college, Ara.

Notes for- B.A-part-III, Paper-V

Topic- मुगल साम्राज्य की विशेषताएँ - कला

कलात्मक विकास :- शाहजहाँ का काल निःसंदेह कलात्मक विकास के दृष्टिकोण से मुगलकालीन इतिहास का स्वर्णयुग माना जा सकता है। कला, विशेषतया स्थापत्य कला की इस समय अभूतपूर्व उन्नति हुई। शाहजहाँ ने मुगल साम्राज्य को सुन्दर और भव्य भवनों से सुसज्जित कर दिया। इस समय किला-निर्माण एवं मस्जिद निर्माण अपनी चरम सीमा पर पहुँच गए। उसने दिल्ली के निकट शाहजहाँबाद नामक नगर का निर्माण करवाया एवं लाल पत्थरों से लाल किला बनवाया। इसकी बनावट अनूठी और भव्य थी। किले के अंदर दीवान-ए-आम और दीवान-ए-खास नामक भव्य कक्षों का निर्माण हुआ। इनकी तुलना स्वर्ग से की गई।

दीवान-ए-खास के प्रवेश द्वार पर शाहजहाँ ने फारसी में इन पंक्तियों को भी खुदवाया—

" अगर फिरदौस बर रू-ई जमीं अस्त
हमीं अस्त उ हमीं अस्त, उ हमीं अस्त।"
(अगर पृथ्वी पर कहीं स्वर्ग है, तो वह यहीं है, यहीं है।)

लाल किला के अतिरिक्त शाहजहाँ ने ताजमहल, जामा मस्जिद, मोती मस्जिद, जहाँगीर का मकबरा जैसे भव्य भवनों का भी निर्माण करवाया। आगरा स्थित ताजमहल को शाहजहाँ की सर्वोत्तम कृति मानी गई है। →

→ इसकी गणना विश्व की आश्चर्यजनक वस्तुओं में की जाती है। इसका निर्माण 1632 ई० में आरंभ हुआ एवं 1643 ई० में यह बन तैयार हुआ। इसके निर्माण पर करीब 9 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। इसकी भीतरी दीवारों को रत्नजड़ित बेल-बूटों से सजाया गया था। इसी प्रकार बहुमूल्य रत्नों से सुसज्जित मयूर सिंहासन अथवा "तख्त-ए-ताउस" का भी निर्माण हुआ, जिसमें विश्व प्रसिद्ध कोहिनूर हीरा जड़ा था। शाहजहाँ के इन कृत्यों से मुगल साम्राज्य के वैभव एवं इसकी संपन्नता की झलक मिलती है।

वास्तुकला के अतिरिक्त शाहजहाँ ने विविध ललित-कलाओं को भी प्रश्रय दिया। यद्यपि मुगलकालीन चित्रकला की सर्वाधिक प्रगति जहाँगीर के समय में हुई; परंतु शाहजहाँ ने भी इस कला के विकास में अभिरुचि ली। उसके दरबार में अनेक ख्यातिप्राप्त चित्रकार थे, कीमती रंगों एवं ब्रशों का उपयोग कर सुन्दर चित्र बनाए गए। किताबों के हाशियों को भी सुन्दर चित्रों से सजाया गया।

शाहजहाँ संगीत में भी रुचि रखता/रखता था। उसके दरबार में अनेक ख्यातिप्राप्त संगीतज्ञ थे। जगन्नाथ एक विलक्षण गायक थे, जो शाहजहाँ के दरबार की शोभा बढ़ाते थे। ध्रुपद गायन कला का इस समय विशेष रूप से विकास हुआ।

उपरोक्त विवेचना से स्पष्ट हो जाता है कि शाहजहाँ के शासन काल में साम्राज्य में कला-कौशल की अभूतपूर्व वृद्धि हुई।